



PRAJAPITA BRAHMA KUMARIS ISHWARIYA VISHWA VIDYALAYA

Founded in 1937 by World Almighty Authority Incorporeal Supreme Father
God Shiva through the Medium of Prajapita Brahma.

Supreme Father
God Shiva

Local Centre :

Brahma Kumaris, Vishwa Shanti Bhawan
Rajpura Chauraha
Bhadohi - 221401 (U.P.)
Tel : 05414-224947, Mob : 9452925281
Email : bhadohi@bkivv.org

Headquarters :

Brahma Kumaris, Pandav Bhawan
Dadi Prakashmani Marg
Mount Abu - 307501 (Raj.)
Tel : 02974-238261 to 64
Website : www.brahmakumaris.com

प्रेस विज्ञप्ति

Date - 01/03/18

शिविर का छठा दिन

आत्मा परमात्मा का सत्य परिचय पाकर झूम उठी, सभी ने मिलकर हर्षोल्लास के साथ मनाया आनंद उत्सव

भदोही। आज इंसान परमात्मा की खोज के लिए कहां-कहां भटक रहा है। सभी अपनी भावनाओं के अनुरूप उसे पाने का प्रयत्न करते हैं, लेकिन वह तो एक है। वह अजन्मा है, सर्वोच्च है, सर्वमान्य है, दाता है। कहा भी जाता है कि हम सभी एक ही परमपिता की संतान हैं।

उक्त उद्गार देश की प्रख्यात तनावमुक्ति विशेषज्ञा ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने सनबीम स्कूल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में चल रहे 12 दिवसीय अलविदा तनाव शिविर के दौरान व्यक्त की।

ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने बहुत ही सुंदर तरीके से इन सबकी व्याख्या करके परमात्मा का सत्य परिचय कराया। अपने सत्य पिता का परिचय पाकर सभी साधकों की आंखें छलछला उठी, मानों एक खोए हुए पुत्र को बहुत समय पश्चात अपने पिता के मिलन का सुखद सानिध्य प्राप्त हुआ। अलविदा तनाव शिविर के छठे दिन यह एक अलौकिक दृश्य था क्योंकि आज था आत्मा का परमात्मा से मिलन। पूनम बहन ने मेडिटेशन के द्वारा परमात्मा से सभी को सीधे बातचीत करवाई जिससे साधकों को ऐसा महसूस हो रहा था कि मानों भगवान से बातें करके उनके जन्म-जन्म की थकान दूर हो गई हो, उनमें एक नए आत्मविश्वास, ऊर्जा शक्ति का संचार हो गया, प्रभु के खजानों को पाकर वह भरपूर हो गए। आज उन्हें ऐसा लगा कि जैसे उनका सारा बोझ किसी परमशक्ति ने हर लिया हो। सभी का दिल कह उठा वाह ऐसा अलौकिक मिलन परमात्मा से होगा कभी स्वप्न में भी नहीं सोचा था। आत्मा परमात्मा के मिलन का यह अद्भुत नजारा देख स्वर्ग के देवता भी प्रफुल्लित हो रहे थे और उन्होंने सभी साधकों पर गुलाब पुष्पों की वर्षा की। नजारा ऐसा था मानों स्वर्ग धरा पर उतर आया है। जब गुलाब पुष्पों की वर्षा साधकों पर हुई तो सभी जैसे परम आनंद की अनुभूति में खो गए और अतिन्द्रिय सुख का जो गायन है वह आज साकार हो उठा। वे अपनी दिन-दुनिया, शोक-रोग और चिंताएं सभी भूल चुके थे।

यही था आज के आनंद उत्सव का नजारा और सभी ने एक साथ मिलकर गीत गया झूम रहा, झूम रहा मेरा मन.... वाह मेरा भाग्य मुझे मिले भगवन।